विधान सभा सचिवालय
मध्यप्रदेश

स मा चा र

सफलता के लिए जीवन में लक्ष्य निर्धारण अनिवार्य : डॉ. पयासी
नेतृत्व विकास शिविर में आये छात्रों ने विधान भवन का अवलोकन किया

भोपाल : दिनांक 28 जनवरी , 2009

सफलता के शीर्ष तक पहुंचने के लिये जीवन में लक्ष्य की सुनिश्चितता प्रथम शर्त है. उच्चतर लक्ष्य के माध्यम से ही व्यक्ति समाज का और देश का आदर्श बनता है. नेतृत्व विकास शिविर, 2009 के मेधावी छात्र-छात्राओं को विधान भवन के ऑडीटोरियम में प्रमुख सचिव डॉ. ए.के. पयासी ने अपने सम्बोधन में यह बात कही. प्रदेश भर से आए अनुसूचित जाति, जनजाति के लगभग 220 छात्र-छात्राओं के समस्या परक सवालों के समाधानकारक जवाब भी डॉ. ए. के पयासी ने दिए.

असतो मॉ सदगमय, तमसो मां ज्योतिर्गमय और मृत्योर्मा अमृतोगमय की विशद् सरल और उदाहरण सहित व्याख्या करते हुए उन्होंने छात्रों से इन आप्त-वाक्यों को जीवन में सफलता के सोपानों तक पहुंचने का सूत्र बताया. डॉ. पयासी ने स्वालिखित पुस्तक ''गहरे पानी पैठ'' के दो दो दोहों के माध्यम से अभीष्ट लक्ष्य की प्राप्ति तथा मानवता के मर्भ को उजागर करते हुए छात्रों से कहा कि आप सदैव सूरज की तरह चमकें और राष्ट्र के दैदीप्यमान नक्षत्र बने.

उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष आदिमजाति कल्याण विभाग प्रदेश भर के आदिवासी छात्र छात्राओं के लिये नेतृत्व विकास शिविर का आयोजन करता है प्रदेश भर के लगभग 220 मेधावी छात्र-छात्राएं इस शिविर में सम्मिलित हुए हैं.

नेतृत्व विकास शिविर के छात्रों ने विधान भवन का भ्रमण कर सभागृह, केन्द्रीय कक्ष, प्रेक्षागृह और पुस्तकालय आदि का अवलोकन किया, विधान भवन के वास्तुशिल्प, सदन/दीर्घा- विन्यास आदि की जानकारी श्री विजय ठाकुर द्वारा छात्रों को दी गई.

इस अवसर पर आदिमजाति कल्याण विभाग के अपर आयुक्त द्वय श्री आर.एस.खरे , श्री जी.एस. नेताम, अपर संचालक आर.एस, आजाद, नोडल अधिकारी श्री अजय जाशु तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए अध्यापक भी उपस्थित थे.

दीपक दुबे
सूचना अधिकारी